



सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

प्रवेश नीति एवं शैक्षणिक सत्र—सारणी

सत्र 2014—15

निदेशालय कालेज शिक्षा, राजस्थान,
जयपुर

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	प्रवेश नीति 2014-15	
	एकीकृत प्रवेश प्रक्रिया	1
	प्रथम भाग स्नातक पाठ्यक्रम	2-4
	द्वितीय भाग स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम	5-9
	तृतीय भाग विधि पाठ्यक्रम के लिए विशेष निर्देश	10-11
	चतुर्थ भाग एम.फिल. पाठ्यक्रम	12
	पंचम भाग सामान्य नियम सभी संकायों हेतु	13-17
	षष्ठ भाग आरक्षण, रियायतें एवं लाभ	18-29
सप्तम भाग आन लाइन एडमिशन प्रोसेस व कॉमन एडमिशन फार्म	30	
2.	शैक्षणिक सत्र सारणी	
	प्रथम भाग प्रवेश कार्यक्रम	31-33
	द्वितीय भाग सत्र की गतिविधियां एवं अवकाश	34-41
	तृतीय भाग एन.सी.सी./एन.एस.एस./स्काउट, रोवर रेंजर, वाई.डी.सी.इत्यादि गतिविधियों का विस्तार से विवरण	42

प्रवेश नीति 2014–15

• एकीकृत प्रवेश प्रक्रिया

सत्र 2014–15 से स्नातक एवं स्नातकोत्तर के नियमित पाठ्यक्रमों में एकीकृत प्रवेश प्रक्रिया लागू की जाती है। इसके तहत अभ्यर्थी को एक पाठ्यक्रम हेतु सम्बन्धित पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में एक बार ही प्रवेश के लिए आवेदन करना होगा। स्नातक पाठ्यक्रम तथा स्नातकोत्तर पूर्वाद्ध में प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी को पात्रता शर्तें पूरी करने पर द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर उत्तराद्ध में पुनः आवेदन नहीं करना पड़ेगा तथा सत्र 2014–15 में गत सत्र के नियमित विद्यार्थी द्वारा 31 जुलाई 2014 तक सत्र का शुल्क महाविद्यालय में जमा करवा दिया जाता है, तो अन्य पात्रता शर्तों की पूर्ति होने की स्थिति में वह प्रवेशित माना जावेगा। इस प्रकार स्नातक द्वितीय/तृतीय वर्ष व स्नातकोत्तर उत्तराद्ध में नियमित विद्यार्थियों के लिए नवीनीकरण आवेदन पत्र प्रस्तुत करने संबंधी व्यवस्था समाप्त की जाती है। निम्नलिखित स्थितियों में यह व्यवस्था उन विद्यार्थियों पर लागू नहीं होगी जो—

1. निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा नहीं करवाते।
2. पूर्व कक्षा की परीक्षा में अनुत्तीर्ण घोषित होते हैं। ऐसे विद्यार्थी का प्रवेश स्वतः निरस्त माना जायेगा।
3. स्वयं लिखित में प्रवेश लेने से स्पष्ट इन्कार कर दें या स्थानान्तरण प्रमाण पत्र लेकर चले जावें।
4. प्रवेश नीति के पंचम भाग में उल्लेखित अच्छे आचरण की शर्तें पूर्ण नहीं करते हों।
5. उपस्थिति की न्यूनता के कारण नियमित से स्वयंपाठी घोषित हुए हों।

राज्य सरकार/निदेशालय के पास एकीकृत प्रवेश प्रक्रिया को भूतलक्षी प्रभाव से निरस्त/परिवर्तित करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

प्रथम भाग

स्नातक पाठ्यक्रम

कला/विज्ञान/वाणिज्य संकायों में एकीकृत प्रवेश के नियम

1.1 उपर्युक्त संकायों में स्नातक पाठ्यक्रमों के प्रथम भाग में प्रवेश हेतु मानदण्ड

क्र.सं.	प्रवेशार्थियों का प्रकार	मानदण्ड
अ	राजस्थान में अवस्थित किसी भी विद्यालय से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण अथवा राजस्थान के निवासी (पंचम भाग के नियम-2 में परिभाषित) जो राजस्थान राज्य के अलावा अन्य किसी स्थान से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण हो।	अर्हकारी* परीक्षा में 1.2 के अनुसार न्यूनतम प्राप्तांक
ब	राजस्थान के अलावा अन्य किसी स्थान से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण हो तथा राजस्थान के निवासी न हो।	अर्हकारी परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत प्राप्तांक

1.2 स्नातक पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में प्रवेश की पात्रता (बी.ए./बी.काम./बी.एससी.-सामान्य एवं ऑनर्स पाठ्यक्रम)

क्र.सं.	संकाय	अर्हकारी परीक्षा में न्यूनतम प्राप्तांक प्रतिशत	
		सामान्य पाठ्यक्रम पास कोर्स	ऑनर्स पाठ्यक्रम
अ	कला	45	48
ब	वाणिज्य **	45	48
स	विज्ञान	48	50

* अर्हकारी परीक्षा से आशय मान्यता प्राप्त बोर्ड से नियमित या स्वयंपाठी अभ्यर्थी के रूप में उत्तीर्ण 10+2 कक्षा है।

** वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों हेतु चयनित महाविद्यालयों में बी.कॉम. के साथ कैट (सर्टिफिकेट कोर्स इन अकाउन्टिंग टेक्निशियन्स) का आई.सी.ए. आई. (इन्स्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउन्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया) द्वारा संचालित सर्टिफिकेट कोर्स का विकल्प भी उपलब्ध है।

1.2.1 सभी पात्र अभ्यर्थियों को प्रवेश देने के पश्चात् यदि किसी कक्षा/विषय के स्वीकृत वर्ग में स्थान रिक्त रह जाये तो (विधि संकाय को छोड़कर) प्राचार्य ऐसे अभ्यर्थियों को प्रवेश दे सकेंगे, जिनके कुल प्राप्तांक प्रवेश हेतु निर्धारित न्यूनतम पात्रता से केवल एक अंक कम हो।

1.2.2 महाविद्यालय में समस्त प्रवेश योग्य अभ्यर्थियों को प्रवेश देने के उपरान्त भी यदि किसी कक्षा/वर्ग में स्थान रिक्त रहते हैं तो उन्हें निदेशक, कॉलेज शिक्षा को सूचित करते हुए उपर्युक्त पात्रता में 3 प्रतिशत तक की छूट देकर वरीयता क्रम में भरा जा सकेगा।

- 1.2.3 कृषि पाठ्यक्रम से उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के विज्ञान संकाय में प्रवेश के लिए सम्बद्ध विश्वविद्यालय के नियमों का पालन किया जावे। परन्तु पात्रता हेतु अंकों का प्रतिशत उपर्युक्त तालिका के अनुसार ही रहेगा।
- 1.2.4 व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को केवल कला एवं वाणिज्य संकाय में ही प्रवेश दिया जा सकेगा, ऐसे अभ्यर्थियों की प्रवेश योग्य सूची में वरीयता निर्धारित करने हेतु अर्हकारी परीक्षा के प्राप्तांक प्रतिशत में से 5 प्रतिशत घटा दिया जायेगा।
- 1.2.5 कला एवं वाणिज्य संकाय की प्रत्येक कक्षा/विषय के एक वर्ग में 80 विद्यार्थियों एवं विज्ञान संकाय की प्रत्येक कक्षा/विषय के एक वर्ग (सेक्शन) में कुल 70 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जा सकता है।
- 1.2.6 स्नातक स्तर पर प्रथम वर्ष में किसी कक्षा/विषय हेतु प्रविष्ट विद्यार्थियों की संख्या 20 से कम (महिला महाविद्यालय के लिए 10) रहने की स्थिति में उस कक्षा/विषय को वर्तमान शिक्षण सत्र में जारी नहीं रखा जायेगा किन्तु कला संकाय के चित्रकला, अंग्रेजी, गृह विज्ञान, जैनालाजी, संगीत, सिन्धी, दर्शनशास्त्र, लोक प्रशासन, मनोविज्ञान, पंजाबी राजस्थानी, संस्कृत, उर्दू, फारसी एवं विज्ञान संकाय के भूगर्भ शास्त्र विषयों की स्नातक कक्षाओं में न्यूनतम छात्र संख्या 20 के स्थान पर 10 की जाती है। जन जाति उपयोजना क्षेत्र में स्थित महाविद्यालयों के लिए निर्धारित न्यूनतम संख्या में 25 प्रतिशत की छूट रहेगी।
- 1.2.7 कोई विद्यार्थी किसी कक्षा में उत्तीर्ण घोषित किये जाने के बाद पुनः उसी कक्षा में प्रवेश लेने के लिए आवेदन करता है तो ऐसे छात्र को प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
- 1.2.8 विभिन्न संकायों के स्नातक प्रथम वर्ष में अर्हकारी परीक्षा के निम्नांकित संकायों के आवेदकों को प्रवेश दिया जा सकेगा।

क्र.सं.	आवेदित संकाय	विद्यालय स्तर के अर्हकारी परीक्षा का संकाय
1	कला	कोई भी संकाय
2	वाणिज्य	कोई भी संकाय
3	विज्ञान	केवल विज्ञान संकाय

- 1.2.9 निर्धारित तिथि तक प्रवेश शुल्क नहीं जमा कराने वाले अभ्यर्थियों (डीफाल्टर्स) को प्रवेश देय नहीं होगा।
- 1.2.10 भारतीय नागरिकता प्राप्त करने एवं भारत में स्थाईवास चाहने के आधार पर राज्य में रह रहे पाक नागरिकों के बच्चों को महाविद्यालयों में प्रवेश की अनुमति है।
- 1.3 कृषि पाठ्यक्रम के प्रथम भाग में प्रवेश

कृषि पाठ्यक्रम के प्रथम भाग में केन्द्रीकृत (सेन्ट्रलाइज्ड) प्रवेश राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जे.ई.टी.) के आधार पर योग्यता क्रम से सम्बन्धित महाविद्यालयों में दिये जाते हैं।

1.4 विभिन्न संकायों के ऑनर्स पाठ्यक्रमों में प्रवेश

सारणी 1.2 के अनुसार ऑनर्स पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र अभ्यर्थियों की योग्यता सूची बनाकर वरीयता क्रम में प्रवेश दिये जायेंगे, जिनमें सम्बद्ध विश्वविद्यालय के नियमों की पालना भी सुनिश्चित की जायेगी। पाठ्यक्रम में प्रविष्ट विद्यार्थियों की न्यूनतम संख्या 20 होनी चाहिए। ऑनर्स पाठ्यक्रम में एक बार प्रविष्ट हो जाने के बाद किसी विद्यार्थी का सामान्य पाठ्यक्रम (पास कोर्स) में परिवर्तन स्वीकृत नहीं किया जायेगा। किसी विषय के ऑनर्स पाठ्यक्रम में यदि 20 से कम विद्यार्थी प्रविष्ट होंगे तो प्राचार्य द्वारा वह पाठ्यक्रम इस सत्र के लिए स्थगित कर दिया जायेगा तथा विद्यार्थियों को अन्य वांछित कक्षाओं में प्रवेश देकर उनके द्वारा ऑनर्स कोर्स के लिए जमा करवाये गये शुल्क को समायोजित कर दिया जायेगा और इसकी सूचना प्राचार्य द्वारा निदेशक, कॉलेज शिक्षा को दी जायेगी।

1.5 संकाय/ विषय परिवर्तन

- (अ) किसी भी संकाय में प्रवेश के बाद संकाय परिवर्तन के इच्छुक छात्रों के आवेदन पर तब ही विचार किया जा सकेगा जब
1. इच्छित संकाय की कक्षा में स्थान रिक्त हों,
तथा
 2. परिवर्तन के इच्छुक छात्र के प्राप्तांक इच्छित कक्षा में अंतिम प्रविष्ट छात्र के प्राप्तांकों से कम न हों।
- (ब) संकाय परिवर्तन केवल संकाय में प्रवेश की पात्रता पूरी होने पर संभव होगा।
- (स) विषय परिवर्तन के लिये आवेदनकर्ता विद्यार्थियों को मात्र एक विषय के परिवर्तन की अनुमति केवल एक बार दी जा सकेगी, यदि उस विषय/विषय संयोजन (Subject combination) में स्थान उपलब्ध हो।
- (द) प्रवेश की अन्तिम तिथि से 15 दिन की अवधि में 100/- रूपया संकाय/विषय परिवर्तन शुल्क जमा कराने पर ही संकाय/विषय परिवर्तन किया जा सकेगा।

1.6 अन्तराल के पश्चात् प्रवेश

- (1) अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात्, दो अकादमिक सत्रों से अधिक अन्तराल व्यतीत होने पर नियमित/स्वयंपाठी आवेदक को अगली कक्षा में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जायेगी।
- (2) अन्तराल संबंधी उपर्युक्त नियम महिला अभ्यर्थियों पर लागू नहीं होंगे।

नोट:- सभी सरकारी एवं गैर सरकारी महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए इंटरनेट से ली गई अंकतालिका स्वयं अभ्यर्थी के द्वारा सत्यापित कर प्रस्तुत किये जाने पर अभ्यर्थी के आवेदन पर विचार किया जायेगा। मूल अंकतालिका व टी.सी./सी.सी. अंतरिम प्रवेश होने के पश्चात् फीस के साथ जमा करायी जावें।

द्वितीय भाग

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

कला/विज्ञान/वाणिज्य संकायों में प्रवेश के नियम

2.1 स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के मानदण्ड

समस्त महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर (पूर्वाद्ध) कक्षाओं में 10+2+3 से स्नातक उपाधि प्राप्त अभ्यर्थियों को निम्नांकित मानदण्ड एवं नियमानुसार प्रवेश दिये जायेंगे।

क्र.सं.	प्रवेशार्थी का प्रकार	पाठ्यक्रम	मानदण्ड
अ	राजस्थान में अवस्थित किसी विश्वविद्यालय से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण	एम.ए.	अर्हकारी परीक्षा में न्यूनतम 48 प्रतिशत प्राप्तांक अथवा आवेदित विषय में न्यूनतम 55 प्रतिशत प्राप्तांक
		एम.कॉम.	अर्हकारी परीक्षा में न्यूनतम 48 प्रतिशत प्राप्तांक अथवा आवेदित विषय में न्यूनतम 55 प्रतिशत प्राप्तांक
		एम.एससी.	अर्हकारी परीक्षा में न्यूनतम 55 प्रतिशत प्राप्तांक अथवा आवेदित विषय में न्यूनतम 55 प्रतिशत प्राप्तांक
ब	राजस्थान राज्य के बाहर अवस्थित किसी विश्वविद्यालय से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी	सभी संकाय	अर्हकारी परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत प्राप्तांक

स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के नियम

(1)	स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु सम्बद्धक विश्वविद्यालय के नियम लागू होंगे।
(2)	अपर्याप्त प्रवेश की स्थिति में रिक्त स्थानों पर प्रवेश हेतु संवर्ग 2.1 (ब) के प्रत्याशियों तथा महिला प्रत्याशियों को न्यूनतम प्राप्तांक प्रतिशत में 5 प्रतिशत की छूट दी जा सकेगी।
(3)	जन जातीय उपयोजना क्षेत्र में स्थित महाविद्यालयों में न्यूनतम प्राप्तांक प्रतिशत में 5 प्रतिशत की छूट दी जा सकेगी।
(4)	किसी भी अभ्यर्थी को राजकीय महाविद्यालय में स्नातकोत्तर कक्षाओं में नियमित प्रवेश की सुविधा दो बार (दो स्नातकोत्तर विषयों में अथवा एक स्नातकोत्तर विषय एवं एक विधि स्नातक पाठ्यक्रम) से अधिक नहीं दी जायेगी।
(5)	पूर्वाद्ध में अनुत्तीर्ण विद्यार्थी को पुनः उसी विषय में पूर्वाद्ध में नियमित विद्यार्थी के रूप में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। किन्तु उसे दूसरे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में स्नातक परीक्षा में प्राप्तांकों के आधार पर प्रवेश दिया जा सकेगा।
(6)	त्रिवर्षीय विधि स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश सामान्य/ऑनर्स स्नातक परीक्षा में प्राप्तांकों के आधार पर दिया जा सकेगा।
(7)	पूर्वाद्ध उत्तीर्ण अभ्यर्थियों पर अन्तराल के पश्चात् प्रवेश के संबंध में नियम 1.6 में दी गई शर्तें यथावत लागू होंगी। डीफाल्टर्स को प्रवेश देय नहीं होगा।

नोट:— बी.एड के पश्चात् पुनः महाविद्यालय में स्नातकोत्तर कक्षा में प्रवेश लेने आये विद्यार्थी को टी.सी. के अभाव में नियमानुसार प्रवेश दिया जावे तथा उससे एक शपथ पत्र लिया जावे कि वह बी.एड की परीक्षा देकर आया है तथा परिणाम प्राप्त होने पर वह टी.सी. प्रस्तुत कर देगा।

2.2 स्नातकोत्तर कक्षा में वर्ग/विषय/पेपर्स में स्थानों की सीमा

(अ)	कला एवं वाणिज्य संकाय के स्नातकोत्तर विषयों में एक वर्ग में अधिकतम 40 अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जा सकता है परन्तु 20 से कम अभ्यर्थी होने पर उस विषय में प्रवेश नहीं दिया जाये। विज्ञान संकाय के विषयों के वर्ग में प्रवेश निर्धारित स्थानों पर दिया जायेगा। वाणिज्य संकाय के सभी विषयों, कला संकाय के चित्रकला, अंग्रेजी, हिन्दी, गृह विज्ञान, जैनेलॉजी, संगीत, दर्शन शास्त्र, लोक प्रशासन, मनोविज्ञान, राजस्थानी, संस्कृत, उर्दू, सिन्धी, फारसी, पंजाबी एवं विज्ञान संकाय के भूगर्भ शास्त्र, गणित एवं भौतिक शास्त्र विषयों की पी.जी. कक्षाओं में छात्रों की न्यूनतम संख्या 20 के स्थान पर 10 की जाती है।
(ब)	स्नातकोत्तर स्तर पर किसी विषय हेतु उपलब्ध योग्य अभ्यर्थियों की संख्या 20 से कम (महिला महाविद्यालयों में 10) रहने की स्थिति में वह विषय उस शिक्षण सत्र के लिए स्थगित कर दिया जायेगा परन्तु जनजातीय क्षेत्रों में स्थित महाविद्यालयों को न्यूनतम संख्या में 25 प्रतिशत तक की छूट प्राप्त होगी।
(स)	सभी संकायों के पूर्वार्द्ध/उत्तरार्द्ध में जहां एक से अधिक ऐच्छिक पेपर हों, वहां पूर्वार्द्ध में प्रविष्ट/पूर्वार्द्ध के उत्तीर्ण छात्रों को वरीयता के आधार पर उपलब्ध विकल्पों में योग्यता क्रम में समायोजित कर दिया जाये। 5 से कम छात्र होने पर वह वैकल्पिक पेपर/शाखा वर्तमान सत्र में संचालित नहीं की जायेगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अधिकतम अनुदान प्राप्त करने के लिए जिन विज्ञान विषयों में स्नातकोत्तर स्तर पर छात्र संख्या 20 से कम है यदि उस विषय का कार्यभार नहीं बढ़ता है तो उस स्नातकोत्तर (विज्ञान) विषय में छात्रसंख्या 20 कर दी जावे लेकिन किसी भी विशेष पेपर में छात्रसंख्या 5 से कम नहीं होनी चाहिए।

2.3 योग्यता का निर्धारण

अ समान संकाय में प्रवेश हेतु
प्रत्येक संकाय में स्नातकोत्तर कक्षा में प्रवेश की योग्यता का निर्धारण निम्नांकित आधार पर किया जायेगा।

1.	<p>स्नातक स्तर पर आवेदित विषय होने पर अभ्यर्थी के द्वारा स्नातक पाठ्यक्रम के प्रथम भाग, द्वितीय भाग एवं तृतीय भाग की कक्षाओं के श्रेणी निर्धारण हेतु मान्य समस्त विषयों के प्राप्तांकों के योग में आवेदित विषय में उपर्युक्त कक्षाओं के प्राप्तांकों को जोड़ कर स्नातक परीक्षा के कुल पूर्णांक तथा आवेदित विषय के उक्त परीक्षाओं के पूर्णांकों के योग के आधार पर कुल प्राप्तांक प्रतिशत निकाला जायेगा, भले ही ये परीक्षायें भिन्न भिन्न विश्वविद्यालयों से उत्तीर्ण की गई हों। जिन विषयों की प्रायोगिक एवं सैद्धान्तिक दोनों प्रकार की परीक्षा होती है, उनमें दोनों का योग स्वीकार्य होगा। तत्पश्चात् यदि प्रवेशार्थी को कोई बोनस प्रतिशत देय है तो उसे जोड़कर कुल योग प्रतिशत से वरीयता का निर्धारण किया जायेगा। योग्यता सूची में दो छात्रों के अंकों का प्रतिशत समान होने की स्थिति में आवेदित विषय में अधिक प्राप्तांक वाले छात्र को वरीयता दी जायेगी।</p>
2.	<p>स्नातक स्तर पर आवेदित विषय न होने पर विद्यार्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 5 प्रतिशत की कमी करने के बाद उपलब्ध प्रतिशत को मैरिट का आधार बनाया जायेगा। दोनों वर्गों की सम्मिलित योग्यता सूची के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा।</p>

ब अन्य संकाय में प्रवेश हेतु
विज्ञान से कला या वाणिज्य संकाय या कला से वाणिज्य संकाय या वाणिज्य से कला संकाय में प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों के संकाय परिवर्तन के लिए अधिकतम 20 प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे। ऐसे अभ्यर्थियों की पृथक् योग्यता सूची बनाई जायेगी। स्नातक स्तर पर 55 प्रतिशत प्राप्तांक वाले अभ्यर्थी ही प्रवेश के योग्य होंगे। आरक्षण श्रेणी में 55 प्रतिशत प्राप्तांक वाले अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने पर अभ्यर्थियों को अर्हकारी परीक्षा के प्रवेश योग्यता प्रतिशत को कम करते हुए वरीयता के निम्नगामी क्रम में आरक्षित नियतांश पूर्ण होने तक प्रवेश दिया जा सकेगा। यदि स्थान रिक्त हो तथा न्यूनतम योग्यता रखने वाले सामान्य अभ्यर्थी उपलब्ध न हों तो निदेशक, कॉलेज शिक्षा से पूर्व अनुमति प्राप्त करके इस वर्ग के अभ्यर्थियों को 20 प्रतिशत से अधिक भी प्रवेश दिया जा सकेगा।

स योग्यता सूची में ऑनर्स स्नातक की प्राथमिकता का क्रम
ऑनर्स स्नातक परीक्षा के प्राप्तांक प्रतिशत में 5 प्रतिशत अंकों की वृद्धि कर योग्यता सूची तैयार की जायेगी। योग्यता क्रम में वरीयता के आधार पर प्रवेश दिये जायेंगे। यह लाभ उन अभ्यर्थियों को देय नहीं होगा जिन्हें सामान्य

पाठ्यक्रम में उच्च प्रतिशत के कारण ऑनर्स की उपाधि दी गई है। सहायक (Subsidiary) विषय में प्रवेश लेने पर भी यह लाभ देय नहीं होगा।
द यदि कोई अभ्यर्थी बी.ए./बी.एससी./बी.काम. की पुनः परीक्षा देकर अपने अंकों में वृद्धि कर लेता है तो उसकी योग्यता के निर्धारण के लिए बढ़े हुए अंक ही विचारणीय होंगे।

2.4 एक विषय से दूसरे विषय में स्थानान्तरण

यदि किसी अभ्यर्थी का नाम एक से अधिक विषयों की प्रवेश सूची में आ जाता है तो वह इनमें से किसी भी विषय में शुल्क जमा करा कर प्रवेश ले सकता है। यदि उसका नाम बाद में जारी की गयी किसी अन्य विषय की प्रवेश सूची में आता है तो उस विषय में 100.00 रुपये स्थानान्तरण शुल्क जमा करवाकर प्रवेश ले सकेगा और उसके द्वारा पूर्व में जमा कराया गया शुल्क समायोजित हो जायेगा। ऐसा स्थानान्तरण प्रवेश की अन्तिम तिथि से 15 दिन की अवधि में ही स्वीकार्य होगा।

नोट:— विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त होने के पश्चात् ही विषय/विषयों की निर्धारित सीटों पर प्रवेश दिया जावे।

तृतीय भाग
विधि संकाय में प्रवेश के नियम

3.1 विधि स्नातक पाठ्यक्रम में प्रथम वर्ष के मानदण्ड

वह विद्यार्थी, जिसने किसी भी मान्य विश्वविद्यालय की स्नातक अथवा स्नातकोत्तर उपाधि कला/विज्ञान/वाणिज्य/भेषज (मेडीसन)/अभियांत्रिकी/नर्सिंग/पशु चिकित्सा/कृषि अथवा शास्त्री/आचार्य उपाधि /आयुर्वेदाचार्य/आयुर्वेद वाचस्पति उपाधि या इसके समकक्ष उपाधि जिसे विश्वविद्यालय ने उपर्युक्त उपाधि के लिए प्रस्तावित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए मान्यता दी हो, निम्नांकित मानदण्डों के अनुसार विधि स्नातक के पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश का पात्र होगा।		
क्र.सं.	प्रवेशार्थियों का प्रकार	मानदण्ड
1.	किसी विश्वविद्यालय से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी	अर्हकारी परीक्षा में न्यूनतम 45 प्रतिशत प्राप्तांक। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु कोई आयु सीमा लागू नहीं होगी।
2.		स्नातक अथवा स्नातकोत्तर परीक्षा में से जिसमें प्राप्तांक अधिक हो वह प्रवेश हेतु मान्य होंगे तथा योग्यता सूची एक ही बनायी जावेगी।
3.		विधि स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए स्नातकोत्तर स्तर की उपाधि के आधार पर पात्रता रखने वाले अभ्यर्थियों की संख्या कुल स्थानों के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।
4.		स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि के लिये श्रेणी निर्धारण में सम्मिलित विषयों/प्रश्न पत्रों के अंक ही जोड़े जायेंगे।
5.		अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (चिकनी परत को छोड़कर) अभ्यर्थी को उक्त पाठ्यक्रम में उपरिवर्णित अर्हकारी परीक्षा में पात्रता अंक प्रतिशत में 5 प्रतिशत की छूट दी जा सकेगी।
6.		अर्हकारी परीक्षा में पूरक परीक्षा के योग्य घोषित अभ्यर्थी प्रवेश के योग्य नहीं होंगे।
7.		अर्हकारी परीक्षा में पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को फोटो स्टेट प्रमाणित अंकतालिका के आधार पर शपथ पत्र प्रस्तुत करने पर प्रवेश के लिए पात्र माना जा सकेगा। यह प्रावधान जिस विश्वविद्यालय में पुनर्मूल्यांकन पद्धति लागू है उनके लिये ही मान्य होगा। अभ्यर्थी से इस आशय का शपथ पत्र लेना होगा कि अर्हकारी परीक्षा में अंक कम हो जाने की स्थिति में वरीयता सूची से बाहर हो जाने पर उसका प्रवेश स्वतः निरस्त माना जायेगा।
8.		विधि प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के एक वर्ग में विद्यार्थियों के प्रवेश की अधिकतम सीमा 60 होगी।
9.		किसी अभ्यर्थी की प्रवेश पात्रता हेतु निर्धारित न्यूनतम प्राप्तांकों से एक अंक कम होने पर भी उसके प्रवेश पर विचार नहीं किया जायेगा।
10.		डीफाल्टर्स को प्रवेश देय नहीं होगा।
11.		विधि पाठ्यक्रम में प्रवेश की पात्रता/वरीयता निर्धारण में 6.5 से 6.11 में अंकित रियायतें एवं लाभ सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।

3.2 विधि स्नातकोत्तर (एलएल.एम.) में प्रवेश की पात्रता

अर्हकारी परीक्षा (विधि स्नातक) में न्यूनतम 55 प्रतिशत प्राप्तांक। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु कोई आयु सीमा लागू नहीं होगी।

3.3 विधि के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश की पात्रता

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश सम्बद्धक विश्वविद्यालय के संबंधित नियमों द्वारा शासित होंगे। सम्बद्धक विश्वविद्यालय में कोई प्रावधान नहीं होने की स्थिति में इनमें प्रवेश के लिए राजस्थान विश्वविद्यालय के अध्यादेश (256) का पालन किया जायेगा।

नोट:-

1. बी.सी.आई. से मान्यता प्राप्त होने के पश्चात् ही राजकीय विधि महाविद्यालय में विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जावे।
2. बार कौंसिल ऑफ इण्डिया के निर्देशानुसार वे समस्त आवेदक जिनके द्वारा + 2 हायर सैकण्डरी पास सर्टिफिकेट या फर्स्ट डिग्री सर्टिफिकेट दूरस्थ अथवा पत्राचार माध्यम से अर्जित की गई हो, वे भी समेकित पांच वर्षीय अथवा तीन वर्षीय एल. एल. बी. पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे। लेकिन ऐसे आवेदक जो 10 + 2 या स्नातक/स्तकोत्तर की डिग्री ओपन यूनिवर्सिटी सिस्टम के माध्यम से सीधे ही बिना किसी बुनियादी योग्यता के पास करते हो, वे विधि पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे।

चतुर्थ भाग

एम.फिल. पाठ्यक्रम

- | | |
|-----|---|
| 4.1 | किसी भी संकाय/विषय की एम.फिल. कक्षा में प्रवेश हेतु संबंधित महाविद्यालय, यू.जी.सी. द्वारा निर्धारित मानदण्ड एवं सम्बद्ध विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रवेश नियमों के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया अपनावेगें। |
|-----|---|

पंचम भाग
सामान्य नियम-समस्त संकायों हेतु

5.1 प्रवेश अस्वीकार करने का अधिकार

	प्राचार्य निम्नांकित स्थितियों में अभ्यर्थी का प्रवेश अस्वीकार कर सकता है:-
1.	जिसने प्रवेश हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र में कोई तथ्य जान बूझकर छिपाया हो अथवा मिथ्या प्रस्तुत किया हो।
2.	जिसने शुल्क जमा कराने की घोषित तिथि तक महाविद्यालय में शुल्क जमा नहीं कराया हो।
3.	जिसने अपूर्ण आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हो।
4.	जिसका प्रवेश सम्बद्धक विश्वविद्यालयों के नियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य न हो।
5.	जो पूर्व वर्षों में किसी दुराचार/दुर्व्यवहार का अपराधी रहा हो।
6.	परीक्षा में अनुचित साधनों के प्रयोग के लिए बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय द्वारा दण्डित किया गया हो।
7.	जिसके विरुद्ध किसी शैक्षणिक अथवा अशैक्षणिक कर्मचारी के साथ परिसर में या परिसर के बाहर हिंसात्मक व्यवहार करने का आपराधिक मामला न्यायालय में विचाराधीन हो।
8.	जो न्यायालय के द्वारा नैतिक कदाचार अथवा किसी प्रकार के अन्य अपराध के कारण दोषी ठहराया गया हो।
9.	जो प्रवेश प्रक्रिया के समय किसी शैक्षणिक/अशैक्षणिक कर्मचारी के साथ दुराचार/दुर्व्यवहार अथवा गाली-गलौच करने का दोषी हो।
10.	प्रवेश हेतु स्थान उपलब्ध न होने के कारण।

नोट- अभ्यर्थी के दस्तावेजों में शंका होने पर प्राचार्य विधि-सम्मत कार्यवाही करने को स्वतंत्र होंगे।

5.2 निवासी की परिभाषा: राजस्थान का निवासी, अभिव्यक्ति की व्याख्या निम्नांकित है:-

(अ)	जो राजस्थान में जन्मा हो (जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर)।
(ब)	जिसके माता/पिता पिछले पांच वर्ष से राजस्थान में निरन्तर निवास कर रहे हों। (इस कोटि के आवेदक को इस हेतु संबंधित जिले के कलेक्टर/एस.डी.ओ./सहायक कलेक्टर अथवा तहसीलदार का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।)
(स)	जो राजस्थान सरकार अथवा राजस्थान सरकार के किसी उपक्रम अथवा राजस्थान सरकार के किसी अर्द्ध सरकारी संगठन के कर्मचारी का पुत्र/पुत्री हो।
(द)	जो केन्द्रीय सरकार अथवा केन्द्रीय सरकार के किसी उपक्रम अथवा केन्द्रीय सरकार के किसी अर्द्ध सरकारी संगठन के राजस्थान में पदस्थापित कर्मचारी का पुत्र/पुत्री हो।

- (य) जो सेना (तीनों अंग) में या केन्द्रीय अर्द्ध सैनिक बल के राजस्थान में पदस्थापित कर्मचारी का पुत्र/पुत्री हो अथवा यदि किसी सैनिक व अधिकारी की नियुक्ति कुटुम्ब विहीन स्थान पर होती है तथा उसके कुटुम्ब को राजस्थान में आवास दिया जाता है तो ऐसे सैनिक/अधिकारी का पुत्र/पुत्री हो।
- (र) जो सेना (तीनों अंग) या केन्द्रीय अर्द्ध सैनिक बल में कार्यरत एवं राजस्थान के मूल निवासी का पुत्र/पुत्री हो (इस कोटि के आवेदक को इस हेतु संबंधित जिले के कलेक्टर/एस.डी.ओ./सहायक कलेक्टर/तहसीलदार का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।)
- (ल) ऐसी महिला अभ्यर्थी, जो राजस्थान के निवासी से विवाह होने के पश्चात राजस्थान में रह रही है। (शपथ पत्र प्रस्तुत करने पर)

5.3 अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रवेश

एक बार नियमित प्रविष्ट विद्यार्थी यदि अनुत्तीर्ण होता है या परीक्षा में नहीं बैठ पाता है अथवा परीक्षा फार्म नहीं भरने के कारण परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता है अथवा उपस्थिति की न्यूनता के कारण परीक्षा देने से वंचित किया जाता है तो उसे उसी संकाय अथवा भिन्न संकाय की उसी कक्षा में पुनः प्रवेश नहीं दिया जायेगा। परन्तु यदि विद्यार्थी ने पिछले सत्र में महाविद्यालय के नियमित छात्र के रूप में अन्तर विश्वविद्यालय/अन्तर राज्यीय/अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया हो तो उसको उसी कक्षा में एक बार पुनः प्रवेश दिया जा सकेगा। यदि ऐसे विद्यार्थी ने अगली कक्षा में बिना परीक्षा परिणाम घोषित हुए शुल्क जमा करवा दिया हो तो परीक्षा परिणाम घोषित होने पर उसके शुल्क का समायोजन किया जा सकेगा।

5.4 पूरक परीक्षा के योग्य घोषित होने वाले अभ्यर्थी का प्रवेश

- (अ) पूरक परीक्षा योग्य घोषित अभ्यर्थी आगे की कक्षा में निर्धारित तिथि तक प्रवेश ले सकेंगे। यदि उन्होंने प्रवेश की अन्तिम तिथि तक प्रवेश नहीं लिया है तो उन्हें पूरक परीक्षा के परिणाम में उत्तीर्ण घोषित होने के बाद नियमित विद्यार्थी के रूप में प्रवेश नहीं दिया जा सकेगा।
- (ब) विज्ञान, कला एवं वाणिज्य संकाय में पूरक परीक्षा के योग्य घोषित अभ्यर्थियों को पूरक परीक्षा के विषयों को छोड़कर अन्य विषयों की स्नातकोत्तर पूर्वाद्ध में पात्रता के अनुसार प्रवेश दिया जा सकेगा।
- (स) अर्हकारी परीक्षा में पूरक परीक्षा के योग्य घोषित अभ्यर्थी की पात्रता तथा योग्यता स्थान के निर्धारण के लिये पूरक परीक्षा के विषय/पेपर में अभ्यर्थी के प्राप्तांकों के बजाय न्यूनतम उत्तीर्णांक जोड़े जायेंगे।
- (द) ऐसे पूरक परीक्षा योग्य घोषित विद्यार्थी जिन्होंने महाविद्यालय में नियमित छात्र के रूप में प्रवेश प्राप्त कर लिया है, उनके पूरक परीक्षा के परिणाम में अनुत्तीर्ण घोषित किये जाने पर उनका उक्त नियमित प्रवेश स्वतः निरस्त माना जायेगा। उसे कोई शुल्क लौटाया नहीं जायेगा।

5.5 पुनर्मूल्यांकन के फलस्वरूप या अन्य किसी कारण से विलम्ब से परीक्षा परिणाम घोषित होने की स्थिति में प्रवेश

किसी विद्यार्थी के उसकी उत्तर पुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन या अन्य किसी कारण से परीक्षा परिणाम में संशोधन होने पर विद्यार्थी को सम्बद्ध विश्वविद्यालय के द्वारा निर्धारित तिथि या उसमें प्रदान की गई शिथिलता के अनुसार महाविद्यालय में प्राचार्य के स्तर पर ही प्रवेश दिया जा सकेगा। ऐसे विद्यार्थियों ने परीक्षा परिणाम घोषित होने से पहले यदि उस सत्र का शुल्क महाविद्यालय में जमा करवा दिया हो तथा इसे वापिस नहीं लिया हो तो पुनर्मूल्यांकन के परिणाम घोषित होने पर उसके उत्तीर्ण होने की स्थिति में उसे नियमानुसार उस कक्षा में प्रवेशित माना जा सकेगा।

5.6 स्वयंपाठी अभ्यर्थियों का प्रवेश

स्नातक स्तर की द्वितीय/तृतीय वर्ष की कक्षाओं में स्वयंपाठी छात्रों को प्रवेश निम्नानुसार दिये जा सकेंगे:-

क्र.सं.	आवेदनकर्ता अभ्यर्थी	प्रवेश हेतु मानदण्ड
1.	प्रथम भाग स्वयंपाठी के रूप में उत्तीर्ण अभ्यर्थी, जिसका कोई पेपर बकाया न हो। (सभी विषयों में उत्तीर्ण)	न्यूनतम 50 प्रतिशत प्राप्तांक होने पर द्वितीय भाग में स्थान रिक्त होने पर प्रवेश देय होगा। आरक्षण श्रेणी में 50 प्रतिशत प्राप्तांक वाले अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने पर अभ्यर्थियों को अर्हकारी परीक्षा के प्रवेश योग्यता प्रतिशत को कम करते हुए वरीयता के निम्नगामी क्रम में आरक्षित नियतांश पूर्ण होने तक प्रवेश दिया जा सकेगा।
2.	प्रथम भाग नियमित पर द्वितीय भाग स्वयंपाठी के रूप में उत्तीर्ण अभ्यर्थी, जिसका कोई पेपर बकाया न हो। (सभी विषयों में उत्तीर्ण)	न्यूनतम 50 प्रतिशत प्राप्तांक होने पर तृतीय भाग में स्थान रिक्त होने पर प्रवेश देय होगा।
3.	प्रथम भाग एवं द्वितीय भाग की परीक्षा स्वयंपाठी के रूप में उत्तीर्ण अभ्यर्थी।	तृतीय भाग में प्रवेश देय नहीं होगा।
4.	स्वयंपाठी छात्रों के प्रवेश पर केवल उसी स्थिति में विचार किया जा सकेगा, जबकि समस्त नियमित छात्रों को प्रवेश देने के उपरान्त संबंधित कक्षा/वर्ग में स्थान रिक्त हों तथा वैकल्पिक विषयों का समूह महाविद्यालय में उपलब्ध हो। स्नातकोत्तर स्तर पर पूर्वार्द्ध स्वयंपाठी के रूप में उत्तीर्ण अभ्यर्थी को उत्तरार्द्ध में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। महिला महाविद्यालयों में प्रवेश की इच्छुक महिला अभ्यर्थियों पर प्रथम या द्वितीय भाग में स्वयंपाठी के रूप में उत्तीर्ण अभ्यर्थी के लिये न्यूनतम 50 प्रतिशत प्राप्तांक होने की अनिवार्यता लागू नहीं होगी। स्थान रिक्त होने की अवस्था में उन्हें उत्तीर्णांक तक प्रवेश दिया जा सकेगा।	

5.7 स्थानान्तरण के आधार पर प्रवेश

- (अ-1) किसी नगर/कस्बे में अवस्थित एक महाविद्यालय में प्रविष्ट विद्यार्थी का उसी नगर के दूसरे महाविद्यालय में स्थानान्तरण किसी भी संकाय/विषय में स्वीकार्य नहीं होगा।
- (अ-2) भिन्न-भिन्न स्थानों पर अवस्थित महाविद्यालयों में भी एक से दूसरे महाविद्यालय में स्थानान्तरण की अनुमति माता-पिता तथा प्रथम प्रवेश के समय घोषित संरक्षक के स्थानान्तरण जैसी विशेष परिस्थिति में ही दी जायेगी किन्तु माता-पिता के जीवित रहते अन्य कोई व्यक्ति संरक्षक नहीं हो सकेगा।
- (ब-1) किसी कर्मचारी के स्थानान्तरण के स्थान अथवा उसके निकटवर्ती स्थान या गृह स्थान पर (जहां ऐसी सुविधा उपलब्ध हो) उसके पुत्र/पुत्री को इस आधार पर प्रवेश दिया जा सकेगा।
- (ब-2) माता-पिता/संरक्षक के अतिरिक्त अन्य किसी अभिभावक के स्थानान्तरण की स्थिति में अभ्यर्थी का प्रवेश इस आधार पर तभी स्वीकृत किया जा सकेगा, जबकि आवेदक के अंक इस सत्र में उस कक्षा में योग्यता क्रम में प्रविष्ट अंतिम छात्र के अंकों के बराबर हों या उससे अधिक हों तथा उस महाविद्यालय में रिक्त स्थान उपलब्ध हो।
- (स) द्वितीय/तृतीय वर्ष स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए रिक्त स्थान होने पर सम्बद्ध विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार ही विचार किया जायेगा।

5.8 समान योग्यता स्थान होने पर प्राथमिकता

- समान योग्यता वाले अभ्यर्थियों में से उपलब्ध रिक्त स्थान/स्थानों पर अभ्यर्थी के चयन हेतु प्राथमिकताएं:-
- (1) यदि किसी कक्षा/विषय में लाभ के अंक प्राप्त छात्र और लाभ रहित अभ्यर्थी दोनों वरीयता सूची में समान योग्यता स्थान रखते हों तो उनमें लाभांश प्रतिशत से रहित छात्र को प्राथमिकता देते हुए उपलब्ध स्थान पर प्रवेश दिया जा सकेगा।
- (2) यदि उच्च माध्यमिक परीक्षा के प्राप्तांक भी समान हों, तो माध्यमिक परीक्षा में अधिक प्राप्तांक वाले छात्र को वरीयता दी जायेगी।
- (3) यदि माध्यमिक परीक्षा के प्राप्तांक भी समान हों, तो जिस अभ्यर्थी की आयु अधिक हो उसे वरीयता दी जायेगी।

5.9 स्थान (सीटें) रिक्त रहने के स्थिति में प्रवेश प्रक्रिया

समस्त प्रवेश योग्य अभ्यर्थियों के प्रविष्ट होने के उपरान्त एवं प्रवेश हेतु और कोई भी फार्म उपलब्ध न होने के उपरान्त भी यदि किसी कक्षा/वर्ग में प्रवेश हेतु स्थान रिक्त रह जाये, तो प्राचार्य द्वारा इस प्रकार से उपलब्ध रिक्त स्थानों की समाचार पत्र में विज्ञापित दी जावे एवं इसकी प्रति महाविद्यालय के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित की जानी है । रिक्त स्थान संबंधी विज्ञापन में दिये गये निर्देशानुसार आवेदन प्रक्रिया पूर्ण की जायेगी विज्ञापन में प्रदर्शित की जाने वाली इस सूचना में रिक्त स्थानों की संख्या जिस कक्षा/वर्ग में यह स्थान रिक्त हैं, तथा नवीन आवेदन पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तिथि का स्पष्ट उल्लेख होगा, साथ ही आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की विधि/प्रक्रिया का उल्लेख भी किया जाना है । यदि इन रिक्त स्थानों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (चिकनी परत को छोड़कर)/विशेष पिछड़ा वर्ग हेतु आरक्षित स्थान भी उपलब्ध हों तो उनका विवरण भी अंकित किया जायेगा । यदि डिफाल्टर अभ्यर्थी भी प्रवेश लेना चाहें तो उन्हें उपर्युक्त प्रक्रिया के अन्तर्गत पुनः प्रवेश आवेदन पत्र भरना होगा। इस प्रक्रिया के अन्तर्गत प्राप्त समस्त नये आवेदन पत्रों में से प्रवेश योग्य अभ्यर्थियों को कक्षा/वर्ग में उपलब्ध स्थानों पर वरीयता क्रम के अनुसार प्रवेश दिया जायेगा । अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति एवं पिछड़ा वर्ग (चिकनी परत को छोड़कर), विशेष पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को उनके लिए आवंटित नियतांश (कोटा) पूरा न होने की स्थिति में प्रवेश नीति के पृष्ठ भाग 6.1 की अनुपालना सुनिश्चित की जाये।

5.10 अन्य पाठ्यक्रम में प्रवेश पश्चात महाविद्यालय में पुनः प्रवेश

किसी भी कक्षा में प्रवेश लेने के पश्चात यदि छात्र बी.एड./पी.ई.टी./पी.एम.टी. में चयन होने पर या अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम में चयन होने के बाद टी.सी. लेकर महाविद्यालय छोड़कर चले जाते हैं तथा कतिपय कारणवश उनका प्रवेश नहीं होने पर पुनः उसी कक्षा में उसी सत्र में प्रवेश लेना चाहते हैं तो रिक्त स्थान होने की स्थिति में प्रवेश की अन्तिम तिथि के 45 दिनों की अवधि में प्रवेश दिया जा सकेगा ।

षष्ठ भाग

आरक्षण, रियायतें एवं लाभ

6.1 अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (चिकनी परत को छोड़कर)/विशेष पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी

<p>विधि संकाय सहित प्रत्येक संकाय की स्नातक, स्नातकोत्तर स्तर एवं एम.फिल. के प्रवेश हेतु अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (चिकनी परत को छोड़कर) /विशेष पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये क्रमशः 16 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 21 प्रतिशत एवं 1 प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे। पिछड़ा वर्ग को प्राप्त 21 प्रतिशत आरक्षण में विशेष पिछड़ा वर्ग भी सम्मिलित है एवं इसके अतिरिक्त विशेष पिछड़ा वर्ग के लिए 1 प्रतिशत का अलग से प्रावधान देय हैं।</p> <p>स्नातकोत्तर कक्षाओं में आरक्षण के संबंध में राज्य सरकार द्वारा निर्धारित रोस्टर प्रणाली लागू होगी।</p> <p>ओ.बी.सी. संबंधी प्रमाण-पत्र अधिकृत अधिकारी द्वारा एक बार ही जारी किया जाता है, परन्तु क्रिमीलेयर में नहीं होने संबंधी प्रमाण-पत्र एक वर्ष के लिए मान्य होगा। एक बार क्रिमीलेयर में नहीं होने का प्रमाण-पत्र जारी होने के उपरान्त अगर प्रार्थी आगामी वर्षों में भी क्रिमीलेयर में नहीं है तो ऐसी स्थिति में सत्यापित शपथ-पत्र लेकर पूर्व में जारी प्रमाण-पत्र को ही मान लिया जावेगा। ऐसा अधिकतम तीन वर्ष तक किया जा सकता है। (राजस्थान सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग का आदेश क्रमांक एफ 11 () () आर एण्ड पी/सा.न्या.अ.वि/12/7376-409 दि. 24.01.2013)</p> <p>आरक्षण संबंधी लाभ के लिए अभ्यर्थी को जिला मजिस्ट्रेट/उपखण्ड अधिकारी/सहायक कलेक्टर/तहसीलदार का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।</p>	
अ	प्रत्येक संकाय के स्नातक प्रथम भाग की प्रत्येक कक्षा में तथा स्नातकोत्तर स्तर एवं एम.फिल. के प्रत्येक विषय/कक्षा में उपर्युक्तानुसार स्थानों का आरक्षण किया जायेगा एवं तदनुसार पूर्ति की जायेगी।
ब	सामान्य प्रवेश स्तर तक अंक प्राप्त करके प्रवेश पाने वाले अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (चिकनी परत को छोड़कर) /विशेष पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों की गणना आरक्षित नियतांश (कोटे) के अन्तर्गत नहीं की जायेगी। ये सभी सामान्य योग्यता सूची में सम्मिलित किये हुए माने जायेंगे।
स	उपर्युक्त (ब) के अनुसार प्रविष्ट विद्यार्थियों के अतिरिक्त शेष अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (चिकनी परत को छोड़कर) /विशेष पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को अर्हकारी परीक्षा के प्रवेश योग्यता प्रतिशत को कम करते हुए वरीयता के निम्नगामी क्रम में आरक्षित नियतांश पूर्ण होने तक प्रवेश दिया जा सकेगा।
द	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (चिकनी परत को छोड़कर)/विशेष पिछड़ा वर्ग हेतु आरक्षित स्थान प्रथमतः अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (चिकनी परत को छोड़कर)/विशेष पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों से ही भरे जायेंगे।

य	यदि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के (चिकनी परत को छोड़कर)/विशेष पिछड़ा वर्ग लिए आरक्षित स्थानों की पूर्ति हेतु अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग (चिकनी परत को छोड़कर)/विशेष पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी उपलब्ध न हों तो ऐसे आरक्षित रिक्त स्थानों के लिए समाचार पत्र में विज्ञापित दी जाये जिसके लिए प्रवेश शुल्क जमा नहीं करवा सकने वाले उसी वर्ग के अभ्यर्थी भी पुनः आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे।
र	यदि विज्ञापित के सात दिवस में कोई आवेदन पत्र नहीं आता है या कम आवेदन पत्र आते हैं तो अनुसूचित जाति के आरक्षित स्थानों को अनुसूचित जन जाति के अभ्यर्थियों से तथा अनुसूचित जन जाति के आरक्षित स्थानों को अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों से भरा जा सकेगा।
ल	इसके उपरान्त भी यदि किसी आरक्षित वर्ग के स्थान रिक्त रहते हैं तो उन्हें सामान्य वर्ग के प्रतीक्षारत अभ्यर्थियों से भरा जा सकेगा।
व	बारां जिले के किशनगंज एवं शाहबाद तहसील के सहरिया छात्रों को न्यूनतम अर्त्तीणांक पर संबंधित जिले के महाविद्यालयों में प्रवेश दिया जायेगा।

नोट- महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ होने के उपरान्त, यदि राज्य सरकार द्वारा सीटों/वर्गों की संख्या में वृद्धि की जाती है, तो उन बढ़ी हुई सीटों/वर्गों के लिए आरक्षण नियमों की पालना करते हुए पृथक प्रवेश सूची जारी की जायेगी।

6.2 विकलांग अभ्यर्थी (स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर एवं एम.फिल.)

अ	मूक, बधिर एवं BLIND छात्र/छात्रों को मनोवांछित महाविद्यालय में मनोवांछित संकाय में उर्त्तीणांक पर प्रवेश दिया जायेगा। ऐसे प्रवेशित छात्रों की सीटें स्वीकृत सीटों के अतिरिक्त मानी जावेगी एवं प्राचार्य अतिरिक्त सीटों पर प्रवेश देने हेतु अधिकृत होंगे।
ब	प्रत्येक संकाय में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थानों में 3 प्रतिशत स्थान विकलांग अभ्यर्थियों हेतु क्षैतिजवर्ती (HORIZONTAL) आरक्षण नियमों के अनुकूल आरक्षित रहेंगे।
स	स्नातकोत्तर स्तर एवं एम.फिल. पर आरक्षण विषयवार होगा। जहां यह संख्या एक से भी कम हो, वहां भी कम से कम एक स्थान आरक्षित रहेगा। विकलांग अभ्यर्थी उपलब्ध न होने की स्थिति में प्रवेश की अंतिम तिथि को इसे सामान्य सूची के प्रतीक्षारत अभ्यर्थियों से भरा जा सकेगा।
द	इस नियतांश में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी को 3 प्रतिशत अतिरिक्त अंकों का लाभ भी दिया जा सकेगा। परन्तु उक्त लाभ किसी भी अभ्यर्थी को नियतांश (कोटा) भरने की पात्रता प्रदान करने हेतु ही देय होगा, योग्यता सूची में उच्च स्थान प्रदान करने के लिए नहीं।

य	विकलांग अभ्यर्थी के लिए इस नियतांश (कोटे) में प्रवेश पाने हेतु विकलांगता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। इस हेतु पुनर्वास केन्द्र द्वारा जारी प्रमाण पत्र ही मान्य होगा किन्तु जहां पुनर्वास केन्द्र नहीं है वहां सी.एम. एण्ड एच.ओ. अथवा इस हेतु अन्य अधिकृत समकक्ष चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र भी मान्य होगा।
---	---

6.3 शिक्षक अभ्यर्थी

प्रत्येक विषय की एम.एससी. पूर्वाद्ध कक्षा में एक स्थान शिक्षक अभ्यर्थी के लिए आरक्षित रहेगा, जिसका मनोनयन निदेशक, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान के द्वारा किया जायेगा। अभ्यर्थी को प्रवेश तभी दिया जायेगा जब वह प्रवेश की न्यूनतम पात्रता रखता हो, अन्यथा इस आरक्षित स्थान को सामान्य स्थान मानकर प्रवेश की अन्तिम तिथि को सामान्य अभ्यर्थी से भर दिया जायेगा।

6.4 प्रतिरक्षा सेवा:- प्रतिरक्षा सेवाओं/केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (**CAPF**) कर्मियों के पुत्र/पुत्री को "अ" में अंकित (i से iv) प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिया जावे।

	Categories eligible	Benifits
अ	(i) Wards of personnel Killed in action	Reservation of seats 03% in Govt. & Law Colleges in order (i) to (iv) of A
	(ii) Wards of personnel Disabled in action and boarded out from service/died while in service with death attributable to military service/ disabled in service and boarded out with disability attributable to military service	
	(iii) Wards of personnel awarded Gallantry award	
	(iv) Wards of awarded Ex servicemen	
ब	प्रतिरक्षा सेवाओं में सेवारत या सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पुत्र/पुत्री	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 03 प्रतिशत की वृद्धि
स	प्रतिरक्षा सेवाओं के सेवा में रहते हुए शहीद कर्मचारियों के पुत्र/पुत्री	न्यूनतम उत्तीर्णांक पर प्रवेश

6.5 कश्मीरी विस्थापित

1.	प्रत्येक संकाय में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थानों में एक प्रतिशत स्थान कश्मीरी विस्थापितों के बच्चों हेतु आरक्षित रहेंगे। यह आरक्षण सामान्य वर्ग सहित सभी वर्गों में संबंधित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध होगा।
2.	कश्मीरी विस्थापित अभ्यर्थी के उपलब्ध न होने की स्थिति में प्रवेश की अन्तिम तिथि को इसे सामान्य अभ्यर्थी से भरा जा सकेगा। कश्मीरी विस्थापित अभ्यर्थियों को अन्तिम प्रवेश तिथि के 30 दिन बाद तक प्रवेश दिया जा सकेगा।
3.	इस नियतांश (कोटे) में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी को 3 प्रतिशत अतिरिक्त अंकों का लाभ दिया जा सकेगा परन्तु उक्त लाभ किसी अभ्यर्थी को नियतांश भरने की पात्रता प्रदान करने हेतु ही देय होगा, योग्यता सूची में स्थान प्रदान करने के लिए नहीं।
4.	कश्मीरी विस्थापित अभ्यर्थी को इस नियतांश में प्रवेश पाने हेतु विस्थापित होने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
5.	प्रवेश के लिए निर्धारित न्यूनतम प्राप्तांक मानदण्ड की सीमा तक वरीयता सूची के कट ऑफ में 10 प्रतिशत की छूट देय होगी।
6.	प्रवेश देने के लिए सभी पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित प्रवेश सीटों को 5 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकेगा।
7.	तकनीकी/व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश देने हेतु 1 प्रतिशत सीट आरक्षित रखी जायेगी। इस वर्ग के अभ्यर्थी यदि प्रवेश हेतु आवेदन नहीं करते हैं तो अन्तिम तिथि बाद इसे सामान्य अभ्यर्थी से भरा जा सकेगा।
8.	प्रवेश के लिए राजस्थान के मूल निवासी होने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक नहीं होगा।

खेलकूद/सह शैक्षणिक/शिक्षणोत्तर उपलब्धियों का लाभ

उपर्युक्त क्षेत्रों में उपलब्धि प्राप्त एवं अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी को प्रथम वर्ष के प्रवेश के समय निम्नानुसार लाभ दिया जा सकेगा, बशर्ते अभ्यर्थी ने यह उपलब्धि विगत तीन वर्षों में प्राप्त की हो। विद्यालय स्तर पर प्राप्त परिलाभ प्रथम वर्ष में प्रवेश के समय तथा महाविद्यालय स्तर पर प्राप्त परिलाभ स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध में प्रवेश के समय ही दिया जावे।

6.6 खेलकूद

	उपलब्धि	लाभ
अ	भारत सरकार के शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में प्रतिनिधित्व	न्यूनतम उत्तीर्णांक प्रतिशत पर प्रवेश

ब	राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले विजेता/उप विजेता दल की विश्वविद्यालय स्तरीय राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में राजस्थान राज्य का प्रतिनिधित्व अथवा एकल प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय या तृतीय स्थान	न्यूनतम उत्तीर्णांक प्रतिशत पर प्रवेश
स	विद्यालय स्तरीय राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में राजस्थान राज्य का प्रतिनिधित्व	न्यूनतम उत्तीर्णांक प्रतिशत पर प्रवेश
द	अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 5 प्रतिशत की वृद्धि
य	सम्बन्धित खेल के सरकार द्वारा गठित या मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय संगठन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान राज्य का प्रतिनिधित्व	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 5 प्रतिशत की वृद्धि
र	राज्य शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता अथवा विश्वविद्यालय क्रीडा परिषद अथवा संस्कृत शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित अन्तर्महाविद्यालय प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय अथवा तृतीय स्थान	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 3 प्रतिशत की वृद्धि
ल	राज्य शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित खेलकूद में स्कूल का प्रतिनिधित्व अथवा विश्वविद्यालय क्रीडा परिषद या संस्कृत शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित अन्तर्महाविद्यालय प्रतियोगिता संभाग स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 2 प्रतिशत की वृद्धि
व	केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित रीजन स्तरीय प्रतियोगिता में स्कूल का प्रतिनिधित्व	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 2 प्रतिशत की वृद्धि
श	केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित रीजन स्तरीय प्रतियोगिता में रीजन का प्रतिनिधित्व	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 3 प्रतिशत की वृद्धि
ष	आयुक्त, कॉलेज शिक्षा द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में विजेता/उप विजेता अथवा एकल प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय अथवा तृतीय स्थान 1. राज्य स्तर पर 2. संभाग स्तर पर 3. जिला स्तर पर	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 5 प्रतिशत की वृद्धि 3 प्रतिशत की वृद्धि 2 प्रतिशत की वृद्धि

अंक लाभ प्राप्त करने हेतु अभ्यर्थियों को निम्नानुसार सक्षम अधिकारी का प्रमाण पत्र प्रवेश आवेदन पत्र के साथ ही प्राचार्य को प्रस्तुत करना होगा, जिसके अभाव में उचित लाभ देय नहीं होगा।

क्र.सं.	वर्ग	जिनका प्रमाण-पत्र मान्य होगा
1.	अ,ब,स	एस.जी.एफ.आई. (स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया) भारतीय खेल प्राधिकरण, खेल मंत्रालय, अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आवंटित सम्बन्धित विश्वविद्यालय की क्रीड़ा परिषद, राज्य क्रीड़ा परिषद
2.	द	विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद
3.	य	राज्य क्रीड़ा परिषद, भारतीय पर्वतारोहण संस्थान द्वारा अधिकृत संस्थायें
4.	र तथा ल	उप निदेशक स्तर के अधिकारी / विश्वविद्यालयीय क्रीड़ा परिषद / निदेशक, संस्कृत शिक्षा द्वारा हस्ताक्षरित आयोजन सचिव द्वारा प्रदत्त, आयुक्तालय द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित
5.	व तथा श	आयोजन सचिव द्वारा प्रदत्त एवं उप निदेशक स्तर के अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित
6.	ष	आयुक्तालय द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित
<p><u>उपर्युक्त लाभों के लिए निम्नलिखित खेलकूद ही मान्य होंगे:-</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. एथलेटिक्स (क्रॉस कन्ट्री दौड़ सहित) 2. जलीय खेल (स्वीमिंग डाईविंग एवं वाटर पोलो) 3. बैडमिन्टन 4. बास्केटबॉल 5. शतरंज 6. क्रिकेट 7. साइकिलिंग 8. फुटबाल 9. हॉकी 10. कबड्डी 11. खो-खो 12. टेबिल टेनिस 13. टेनिस 14. वॉलीबॉल 15. हैण्डबाल 		

16.	कुश्ती
17.	भारोत्तोलन
18.	जिमनास्टिक
19.	जूडो
20.	मुक्केबाजी
21.	वॉलक्लाइम्बिंग
22.	तीरन्दाजी
23.	निशानेबाजी
24.	सॉफ्टबॉल

6.7 एन.सी.सी.

	उपलब्धि – सीनियर डिवीजन/विंग (विगत तीन वर्षों में) जूनियर डिवीजन/विंग (पाँच वर्षों में)	लाभ
अ	मानव संसाधन विकास मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय अथवा महानिदेशक एन.सी.सी. द्वारा चयनित होकर देश का प्रतिनिधित्व।	न्यूनतम उत्तीर्णांक प्रतिशत पर प्रवेश
ब	एन.सी.सी. की किसी शाखा में अखिल भारतीय सर्वश्रेष्ठ कैडेट का पुरस्कार।	न्यूनतम उत्तीर्णांक प्रतिशत पर प्रवेश
स	निम्नांकित में से किसी एक या अधिक के लिए चयनित होकर उस गतिविधि में भाग लेना।	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 5 प्रतिशत की वृद्धि
	1. गणतंत्र दिवस कैम्प	
	2. अखिल भारतीय एडवांस लीडरशिप कैम्प	
	3. पैरा जम्पिंग कोर्स	
	4. आधारभूत पर्वतारोहण कोर्स या किसी पर्वतारोहण अभियान (20000 फीट या उच्च पर्वत शिखर पर) में भाग लेना।	
	5. छात्र/छात्रा विंग में सी सर्टिफिकेट बी ग्रेड के साथ प्राप्ति	
	6. छात्र/छात्रा विंग में बी सर्टिफिकेट बी ग्रेड के साथ प्राप्ति	
	7. जूनियर डिवीजन छात्र/छात्रा ए सर्टिफिकेट बी ग्रेड के साथ	
	8. स्नो-स्कीइंगकोर्स	
	9. सीनियर अण्डर आफिसर/सीनियर कैडिट कैप्टन/कैडिट फ्लाइंट सार्जेंट रैंक पर नियुक्ति	

द	गणतंत्र दिवस कैम्प की किसी प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान पाने वालों को, पैरा जम्पिंग कोर्स में स्काइ डाइविंग कोर्स पूर्णकर्ता कैडेट को, एडवेंचर माउण्टेनेयरिंग तथा एडवांस माउण्टेनेयरिंग कोर्स करने वाले को, सी सर्टिफिकेट ए ग्रेड, बी सर्टिफिकेट 'ए' ग्रेड और ए सर्टिफिकेट ए ग्रेड प्राप्त कैडेट को, प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु एक प्रतिशत अतिरिक्त देय होगा अर्थात् 6 प्रतिशत का लाभ देय होगा।	
य	निम्नांकित गतिविधियों में भाग लेने अथवा निम्नांकित विशिष्टता अर्जित करने पर।	
1.	छात्र/छात्रा विंग का सी प्रमाण-पत्र सी ग्रेड के साथ	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 3 प्रतिशत की वृद्धि
2.	छात्र/छात्रा विंग का बी प्रमाण पत्र सी ग्रेड के साथ	
3.	जूनियर डिवीजन छात्र/छात्रा ए प्रमाण-पत्र सी ग्रेड के साथ।	
4.	ऑल इण्डिया समर ट्रेनिंग कैम्प	
5.	ऑल इण्डिया बेसिक लीडरशिप कोर्स	
6.	नियमित सुरक्षा सेना के साथ दो सप्ताह का अटैचमेन्ट कोर्स	
7.	वॉटर स्कीइंग कोर्स	
8.	अण्डर ऑफीसर/कैडिट कैप्टन/कैडिट सार्जेंट रैंक पर नियुक्ति	

6.8 पर्वतारोहण, शिलारोहण एवं वॉलक्लाइम्बिंग

	उपलब्धि (विगत तीन वर्षों में)	लाभ
अ	मान्यता प्राप्त संस्थाओं द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय अभियान में राष्ट्र का प्रतिनिधित्व	न्यूनतम उत्तीर्णांक प्रतिशत पर प्रवेश
ब	शिक्षा मंत्रालय अथवा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एडवेंचर्स प्रोग्राम तथा 20,000 फीट या अधिक की ऊँचाई पर पहुंच	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 6 प्रतिशत की वृद्धि
स	विश्वविद्यालय अथवा मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा आयोजित एडवांस कोर्स	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 5 प्रतिशत की वृद्धि
द	सरकार अथवा विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थाओं के पर्वतारोहण में बेसिक कोर्स	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 3 प्रतिशत की वृद्धि

6.9 राष्ट्रीय सेवा योजना

	उपलब्धि (विगत तीन वर्षों में)	लाभ
अ	प्रवेश के पूर्ववर्ती तीन वर्षों में अन्तर्राष्ट्रीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम दल की सदस्यता/राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर पुरस्कृत स्वयं सेवक	न्यूनतम अर्हतायें पूर्ण करने पर प्रवेश
ब	प्रवेश के पूर्ववर्ती तीन वर्षों में युवा एवं खेल विभाग द्वारा आयोजित एक बार गणतंत्र दिवस परेड (दिल्ली) राष्ट्रीय प्रेरणा शिविर अथवा राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में भाग लिया हो तथा विशेष शिविरों में उपस्थिति एवं 240 घंटों का सेवा कार्य करने का प्रमाण पत्र होने पर	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 6 प्रतिशत की वृद्धि
स	प्रवेश के पूर्ववर्ती तीन वर्षों में राज्य स्तर/विभाग स्तर पर शिविरों में भागीदारी तथा एक विशेष शिविर में उपस्थिति एवं 240 घंटे का सेवा कार्य करने का प्रमाण पत्र होने पर	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 5 प्रतिशत की वृद्धि
द	प्रवेश के पूर्ववर्ती तीन वर्षों में एक विशेष शिविर में उपस्थिति एवं 240 घण्टे का सेवा कार्य करने का प्रमाण पत्र होने पर	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 3 प्रतिशत की वृद्धि

6.10 रोवर, रेन्जर, स्काउट, गाइड

	उपलब्धि (विगत तीन वर्षों में)	लाभ
अ	विश्व जम्बूरी में भारत का प्रतिनिधित्व अथवा भारत स्काउट/गाइड मुख्यालय द्वारा चयनित होकर किसी अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधि में भाग लिया हो अथवा राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति स्काउट/गाइड/रोवर /रेंजर पुरस्कार प्राप्तकर्ता।	न्यूनतम उत्तीर्णांक पर प्रवेश
ब	राज्य पुरस्कार स्काउट/गाइड अथवा निपुण रोवर/रेंजर बैज प्राप्तकर्ता जो राष्ट्रीय गतिविधि में राज्य का प्रतिनिधित्व कर्ता रहा हो अथवा प्रधानमंत्री शील्ड प्रतियोगिता/ उप राष्ट्रपति शील्ड प्रतियोगिता का विजेता रहा हो। (गत 3 वर्ष की अवधि में)	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारित हेतु अभ्यर्थियों के प्राप्तांक प्रतिशत में 5 प्रतिशत की वृद्धि
स	तृतीय सोपान स्काउट/गाइड अथवा प्रवीण रोवर/रेंजर अथवा स्टेट रोवरमूट/रेंजर मीट में भाग लिया हो, पर्वतारोहण का आधारभूत कोर्स कर्ता रहा हो अथवा प्रधानमंत्री शील्ड प्रतियोगिता/ उप राष्ट्रपति शील्ड प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्वकर्ता को। (गत तीन वर्ष की अवधि में)	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थियों के प्राप्तांक प्रतिशत में 3 प्रतिशत की वृद्धि

6.11 सह शैक्षणिक गतिविधियां

	उपलब्धि	लाभ
अ	भारत सरकार के मानव संसाधन विकास एवं समाज कल्याण मंत्रालय द्वारा अपने जीवनकाल में राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया हो।	न्यूनतम उत्तीर्णांक पर प्रवेश केवल एक बार
ब	भारतीय विश्वविद्यालय संघ अथवा आई.सी.सी.आर. अथवा केन्द्र सरकार के किसी विभाग द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय या तृतीय स्थान प्राप्त।	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 6 प्रतिशत की वृद्धि
स	राज्य शिक्षा विभाग द्वारा अथवा राज्य के किसी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अथवा विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता/उप विजेता दल के सदस्य, अथवा एकल प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त अथवा अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता या केन्द्र सरकार के किसी विभाग द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय/ राज्य का प्रतिनिधित्व। उपर्युक्त (ब) एवं (स) के अन्तर्गत छूट का लाभ विश्वविद्यालय के किसी संघटक/सम्बद्धक कॉलेज अथवा विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के लिए देय नहीं होगा।	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 5 प्रतिशत की वृद्धि
द	राज्य शिक्षा विभाग द्वारा अथवा राज्य के किसी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय/विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी संस्था/संभाग का प्रतिनिधित्व अथवा किसी महाविद्यालय द्वारा जिला अथवा संभाग स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता के विजेता/उप विजेता दल के सदस्य अथवा एकल प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 3 प्रतिशत की वृद्धि

6.12 अन्य विशेष प्रकार के अभ्यर्थियों को देय लाभ

श्रेणी	लाभ	
अ	मृत राज्य कर्मचारी के पुत्र/पुत्री अथवा कॉलेज शिक्षा सेवाओं में सेवारत या सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पुत्र/पुत्री अथवा महिला अभ्यर्थी (केवल सहशिक्षा महाविद्यालयों हेतु यदि अभ्यर्थी द्वारा आवेदित संकाय/विषय में अध्ययन की सुविधा स्थानीय राजकीय महिला महाविद्यालय में उपलब्ध न हो।)	प्रवेश योग्यता सूची में वरीयता निर्धारण हेतु अभ्यर्थी के प्राप्तांक प्रतिशत में 3 प्रतिशत की वृद्धि। (एम.बी.ए., विधि, कम्प्यूटर व अन्य पेशेवर पाठयक्रमों में यह लाभ देय नहीं होगा।)
1.	नियम संख्या 6.6 से 6.11 के अन्तर्गत न्यूनतम उत्तीर्णांक पर प्रवेश को छोड़कर अन्य देय लाभ प्रवेश की पात्रता प्रदान करने हेतु स्वीकार्य नहीं हैं।	
2.	उपर्युक्त लाभ प्राप्ति हेतु अभ्यर्थी को सम्बन्धित सक्षम अधिकारी/विभाग द्वारा प्रदत्त मूल प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि प्रवेश आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत करनी होगी, जिसके अभाव में ऐसे किसी लाभ के लिए कोई अनुरोध स्वीकार्य नहीं होगा। प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति बाद में स्वीकार नहीं होगी। प्रवेश सूची में नाम आने पर मूल प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।	
3.	उपर्युक्त नियम 6.6 से 6.11 में वर्णित लाभों में से किसी एक का लाभ (जो अधिकतम हो) अभ्यर्थी को देय होगा, चाहे वह कितनी भी गतिविधियों में सम्मिलित क्यों न हो।	
4.	उक्त उपलब्धि एक से अधिक बार प्राप्त होने पर भी उन सबके लिए एक कक्षा में प्रवेश के लिए एक ही बार लाभ देय होगा।	
5.	विद्यार्थी द्वारा विद्यालय स्तर पर प्राप्त उपलब्धि का लाभ स्नातक भाग प्रथम तथा महाविद्यालय/विश्वविद्यालय स्तर पर प्राप्त उपलब्धि का लाभ स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध की कक्षा में प्रवेश हेतु केवल एक बार देय होगा।	
6.	उपर्युक्त में से किसी भी श्रेणी का लाभ चाहने वाले अभ्यर्थी को प्रवेश आवेदन पत्र के साथ इस आशय का पृथक् से आवेदन पत्र देना होगा। इसके अभाव में यह लाभ देय नहीं होगा।	

नोट:- बोनस अंक हेतु विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रमाण पत्र राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित होने चाहिये तथा प्रवेश से संबंधित शेष सभी प्रमाण पत्र एवं अंकतालिकायें छात्र द्वारा स्वप्रमाणित होनी चाहिये।

विशेष:-

प्रवेश नीति 2014-2015 के नियमों में किसी प्रकार का मार्गदर्शन उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में सम्बद्ध विश्वविद्यालय के नियम/परिनियम/ऑर्डिनेन्स मान्य होंगे। प्रवेश देते समय शैक्षणिक सत्र सारणी में दिये गये निर्देशों की पूर्ण पालना की जाये। उपर्युक्त नियमों की क्रियान्विति में यदि किसी प्रकार की कठिनाई अनुभव हो अथवा नियमों की व्याख्या में अस्पष्टता या भ्रम की स्थिति होने पर निदेशालय से स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाये। नियमों के संबंध में निदेशक, कॉलेज शिक्षा का निर्णय ही अन्तिम एवं मान्य होगा।

निर्देश:-

राज्य अधिसूचना क्रमांक प.12(22)वित्त/कर/10-98 दिनांक 9-3-10 तथा कार्यालय, महानिरीक्षक, पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग, राजस्थान, अजमेर के पत्र क्रमांक एफ 7(39)जन/10/5099-5132 दिनांक 10-4-10 के अनुसार जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र अभिप्राप्त करने के प्रायोजन के लिए निष्पादित या शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश या शैक्षणिक छात्रवृत्ति की मंजूरी के लिए अपेक्षित शपथ पत्रों पर संदेय स्टाम्प शुल्क का परिहार (माफ) किया गया है। इसकी पालना सुनिश्चित की जावे।

सप्तम भाग

ऑन लाइन एडमिशन प्रोसेस (OAP) व कॉमन एडमिशन फार्म (CAF)

महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया को उपयोगकर्ताओं के लिए सरल, सहज, सुगम व पारदर्शी बनाने की दृष्टि से सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग कर अकादमिक सत्र 2013-14 में 63 राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों हेतु राज्य में पहली बार 'ऑन लाइन' एडमिशन प्रोसेस लागू करने की पहल की गई। इस कार्य हेतु निदेशालय स्तर पर एक साफ्टवेयर सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग की सहायता से राज्य सरकार की ई-गवर्नेन्स नीति के अन्तर्गत विकसित किया गया। 66 अन्य राजकीय महाविद्यालयों में प्रवेश आवेदन प्रपत्रों की विविधता पर जटिलता को समाप्त करते हुए 'कॉमन एडमिशन फार्म' लागू किया जो विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध करवाया गया। इस पहल का विस्तार करते हुए सत्र 2014-15 में सहमति एवं उपलब्ध आधारभूत संरचना के आधार पर चयनित राजकीय महाविद्यालयों में 'ऑन लाइन' प्रवेश प्रक्रिया लागू की जायेगी। इस संबंध में निदेशालय से पृथक से दिशा-निर्देश जारी किये जायेंगे।

ऑन लाइन एडमिशन प्रोसेस में विभाग के पोर्टल पर 'ऑन लाइन' प्रवेश देने वाले राजकीय महाविद्यालयों की सूची तथा ऑनलाइन प्रवेश आवेदन फार्म उपलब्ध करवाया जायेगा। विभागीय पोर्टल का पता <http://dce.rajasthan.gov.in> है। प्रवेश हेतु नियम, तिथियां आदि प्रवेश नीति के अनुसार होगी। समस्त राजकीय महाविद्यालय जिनके वेब पृष्ठ विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध है, वे अपने महाविद्यालय की अद्यतन विवरणिका की सॉफ्टकॉपी एडमिशन पृष्ठ पर उपलब्ध करवायेंगे। विवरणिका के अतिरिक्त आवेदकों की सुविधा हेतु महाविद्यालय में उपलब्ध विषय, विषय संयोजन, उपलब्ध सीटों की संख्या तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों/वर्गों आदि के साथ शुल्क का विवरण भी महाविद्यालय के 'एडमिशन' वेबपृष्ठ पर उपलब्ध करवायेंगे।

'ऑनलाइन' प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन करने वाले आवेदकों के लिए निर्देश एडमिशन पोर्टल पर उपलब्ध करवाये जायेंगे तथा आवेदकों द्वारा इन निर्देशों की पालना करना आवश्यक होगा।

'ऑनलाइन' एडमिशन प्रक्रिया व कॉमन एडमिशन फार्म के माध्यम से प्रवेश देने वाले राजकीय महाविद्यालय अन्तरिम/अन्तिम (Provisional/Final) प्रवेश सूचियां महाविद्यालय के एडमिशन वेबपृष्ठ पर उपलब्ध करवायेंगे।

शैक्षणिक सत्र सारणी 2014-15

प्रथम भाग

प्रवेश कार्यक्रम

(अ) स्नातक स्तर पर प्रथम प्रवेश

1. ऑन लाइन आवेदन-पत्र भरने/कॉमन एडमिशन फार्म/आवेदन पत्र विक्रय प्रारम्भ सोमवार 2.6.14
2. आवेदन पत्र जमा/प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि गुरुवार 19.6.14
3. प्रथम अन्तरिम प्रवेश सूची का प्रकाशन शनिवार 21.6.14
4. अन्तरिम प्रवेश सूची के अन्तर्गत प्रविष्ट विद्यार्थियों द्वारा शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथि गुरुवार 26.6.14
5. प्रवेशित विद्यार्थियों की सूची एवं रिक्त स्थानों के लिए द्वितीय अन्तरिम सूची का प्रकाशन शुक्रवार 27.6.14
6. द्वितीय सूची के विद्यार्थियों का शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथि सोमवार 30.6.14 तक
7. शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ, विद्यार्थियों का मार्गदर्शन एवं शिक्षण कार्य प्रारम्भ मंगलवार 1.7.14
8. संकाय/विषय परिवर्तन की अंतिम तिथि गुरुवार 17.7.14 / अंतिम प्रवेश से 15 दिवस में।

(ब) विधि एवं स्नातकोत्तर (पूर्वाद्ध) स्तर पर प्रथम प्रवेश

1. ऑन लाइन आवेदन-पत्र भरने/कॉमन एडमिशन फार्म/आवेदन पत्र विक्रय प्रारम्भ शनिवार 14.6.14
2. आवेदन पत्र जमा/प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि (अ) मंगलवार 24.6.14 तक या (ब) सम्बद्धक विश्वविद्यालय की अर्हकारी परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद 15 दिन तक (जो भी बाद में हो) बुधवार 25.6.14 या क्र.सं. ब-2 में उपलब्ध तिथि के 3 दिन बाद तक।
3. प्रथम प्रवेश सूची का प्रकाशन सोमवार 30.6.14 या क्र.सं. ब-3 में उपलब्ध तिथि के 3 दिन बाद तक
4. प्रवेश सूची के अन्तर्गत प्रविष्ट विद्यार्थियों द्वारा शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथि सोमवार 30.6.14 या ब-4 में उपलब्ध तिथि के एक दिन बाद तक।
5. प्रवेशित विद्यार्थियों की सूची का प्रकाशन मंगलवार 1.7.14 या क्र.सं. ब-5 में उपलब्ध तिथि के अगले दिन से।
6. शिक्षण कार्य प्रारम्भ

(अ व ब में वर्णित प्रवेश कार्यक्रम के अनुसरण में यदि किसी कक्षा में स्थान रिक्त रहते हैं तथा अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र लम्बित हो तो वरीयता क्रम में रिक्त स्थानों को भरने की आगामी प्रवेश सूचियाँ अन्य वर्णित शर्तों की पालना करते हुए जारी कर शुल्क जमा किया जा सकेगा)

नोट:-

महाविद्यालयों में कक्षानुसार उपलब्ध सीटों के लिए प्रथम अन्तरिम सूची वरीयता क्रम में जारी की जायेगी। इस सूची में से निर्धारित तिथि तक शुल्क नहीं जमा कराने के कारण रिक्त रहे स्थानों की पूर्ति हेतु, द्वितीय अन्तरिम प्रवेश सूची "शैक्षणिक सत्र सारणी" के प्रथम भाग के अनुसार जारी की जायेगी। तत्पश्चात भी स्थान रिक्त रहने की स्थिति में रिक्त स्थानों के लिए अन्तरिम प्रवेश सूचियाँ जारी की जायेंगी जिसकी सूचना प्राचार्य सूचनापट्ट पर भी प्रदर्शित करेंगे।

(स) स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर पर नवीनीकरण प्रक्रिया

विधि संकाय सहित सभी संकायों के स्नातक पार्ट द्वितीय एवं तृतीय तथा स्नातकोत्तर (उत्तरार्द्ध) प्रवेश के लिए सत्र 2013-14 में महाविद्यालय का नियमित अथवा पूर्व छात्र (एक्स स्टूडेंट) होना तथा विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा में प्रवेश योग्य घोषित करना ही पर्याप्त है, बशर्ते उसका व्यवहार व चरित्र संतोषजनक रहा हो।

शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथि

31 जुलाई 2014 तक

प्रायः महाविद्यालयों में गलत परिपाटी के तहत स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध में परीक्षा परिणामों के इन्तजार में कक्षाएं प्रारम्भ नहीं की जाती हैं तथा प्रवेश प्रक्रिया लम्बित रखी जाती है। बाद में प्राचार्य निदेशालय पर दबाव बनाकर अत्यन्त विलम्ब से प्रवेश देते हैं तथा कक्षाएं भी विलम्ब से प्रारम्भ होती हैं, अतः निम्नलिखित नोट को प्राचार्यगण ध्यान से पढ़ें एवं विद्यार्थियों में प्रचारित करें।

नोट:-

1. विधि संकाय सहित स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध में सत्रारम्भ से सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक कक्षाओं में अध्यापन कार्य प्रारम्भ होगा। इन कक्षाओं में नियमित विद्यार्थी दिनांक 31 जुलाई 2014 तक शुल्क जमा करवा सकेगे, बिना परीक्षा परिणाम घोषित हुए अध्यापन एवं शुल्क जमा का कार्य किया जा सकेगा।
2. सभी प्रवेश योग्य छात्रों को दिनांक 31 जुलाई 2014 तक महाविद्यालय कार्य दिवसों में वांछित फीस का ड्राफ्ट अथवा फीस राशि/सम्बन्धित महाविद्यालय के कार्यालय/महाविद्यालय की विकास समिति कोष में जमा करवानी होगी। अर्हकारी परीक्षा में अनुत्तीर्ण ऐसे छात्र, जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अगली कक्षा में प्रवेश योग्य घोषित नहीं किया जाता, उनका अस्थाई प्रवेश स्वतः ही निरस्त हो जाएगा तथा

उनके द्वारा जमा कराई गई राशि आवेदन करने पर वापिस लौटा दी जाएगी। जो विद्यार्थी निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा नहीं करवाते, उनका परीक्षा आवेदन पत्र महाविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय को अग्रेषित नहीं किया जायेगा। एकीकृत प्रवेश में फीस जमा करवाने वाले, विश्वविद्यालय द्वारा अगली कक्षा में प्रवेश योग्य मान्य विद्यार्थी, जो एकीकृत प्रवेश में फीस जमा करवा चुके हों, उन्हें ही आगामी कक्षा का नियमित विद्यार्थी माना जायेगा।

3. यदि विद्यार्थी शुल्क में रियायत प्राप्त करने का पात्र हैं तथा वह रियायत चाहता है तो उसे तत्सम्बन्धी (आय प्रमाण-पत्र/नॉन क्रीमिलेयर आदि) अद्यतन प्रमाण-पत्र शुल्क जमा करवाते समय प्रस्तुत करने होंगे। प्रमाण-पत्र/पत्रों के अभाव में पूर्ण शुल्क जमा किया जायेगा। एक बार पूर्ण शुल्क जमा कराने के उपरान्त यदि बाद में रियायत सम्बन्धी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाता है, तो रियायत पर विचार नहीं किया जायेगा।
4. द्वितीय/तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध में निम्न स्थितियों में नियमित विद्यार्थी का प्रवेश निरस्त माना जायेगा—
 - (अ) निर्धारित तिथि तक शुल्क नहीं जमा कराने पर
 - (ब) टी.सी. लेकर अन्यत्र जाने पर।
 - (स) विश्वविद्यालय परीक्षा में अनुचित साधनों के प्रयोग के लिए दण्डित किया गया हो।
 - (द) लिखित में स्पष्ट प्रवेश से मना करने पर।
5. महाविद्यालय के नियमित/पूर्व विद्यार्थियों के अतिरिक्त द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश इच्छुक ऐसे अभ्यर्थी जो स्वयंपाठी रहे हों अथवा अन्तराल के उपरान्त /स्थानान्तरण के कारण प्रवेश लेना चाहें, उन्हें प्रवेश आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा जिसके साथ वांछित दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। इन आवेदन पत्रों पर नियम 1.6, 5.6 व 5.7 के अनुसार प्राचार्य विचार करने हेतु अधिकृत होंगे।

द्वितीय भाग

सत्र की गतिविधियां एवं अवकाश

1. वर्ष 2014-15 के लिए विश्वविद्यालयों द्वारा पाठ्यक्रम निर्धारण एवं प्रकाशन सोमवार 30.06.14
2. शैक्षणिक सत्र आरम्भ मंगलवार 1.7.14
3. सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक कक्षाओं में अध्यापन कार्य प्रारम्भ (अ) स्नातक समस्त कक्षाएँ एवं स्नातकोत्तर (उत्तरार्द्ध) मंगलवार 1.7.14
4. (ब) स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध एवं विधि छात्रसंघ चुनाव प्रवेश कार्यक्रम (ब) के बिन्दु 6 अनुसार अलग से आदेश जारी किये जायेंगे
5. छात्रसंघ का उद्घाटन 31.12.14 तक
- 6.. कार्यभार भेजने की अन्तिम तिथि शनिवार 30.8.14
7. नियमित छात्रों द्वारा परीक्षा फॉर्म भरना विश्वविद्यालय के अनुसार
8. पूरक परीक्षाओं की समाप्ति विश्वविद्यालय के अनुसार
9. प्रथम कक्षा टेस्ट सितम्बर माह में
10. दशहरा अवकाश गुरुवार 2.10.14 से शनिवार 4.10.14 तक
11. विश्वविद्यालय नामांकन विश्वविद्यालय के अनुसार
12. स्वयंपाठी छात्रों द्वारा परीक्षा फॉर्म भरना विश्वविद्यालय के अनुसार
13. दीपावली अवकाश शनिवार 18.10.14 से सोमवार 27.10.14 तक
14. दूसरा कक्षा टेस्ट दिसम्बर माह में
15. शीतकालीन अवकाश गुरुवार 25.12.14 से बुधवार 31.12.14 तक
16. शैक्षणिक भ्रमण, अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियां तथा सांस्कृतिक सप्ताह पुरस्कार वितरण समारोह। रविवार 15.02.15 तक
17. एन.एस.एस./एन.सी.सी. एवं रोवर स्काउट गाइड के शिविरों का आयोजन एवं अन्य गतिविधियां वर्ष पर्यन्त
18. प्री परीक्षा शनिवार 17.1.15 से
19. परीक्षा पूर्व अवकाश परीक्षा प्रारम्भ होने के दो सप्ताह पूर्व

20.	वार्षिक परीक्षाओं का प्रारम्भ (क) स्नातक स्वयंपाठी छात्रों हेतु नियमित छात्रों हेतु	विश्वविद्यालय के अनुसार विश्वविद्यालय के अनुसार
	(ख) स्नातकोत्तर	विश्वविद्यालय के अनुसार
21.	सत्र का अंतिम कार्य दिवस	गुरुवार 30.4.15
22.	परीक्षा परिणामों की घोषणा	विश्वविद्यालय के अनुसार
23.	नवीन सत्रारम्भ	बुधवार 01.7.15

टिप्पणियां:-

1. राज्य के किसी महाविद्यालय द्वारा एन.एस.एस./एन.सी.सी. गतिविधियों को छोड़कर कोई भी सह-शैक्षणिक अथवा शिक्षणतर गतिविधियां दिनांक 15.2.15 के पश्चात् आयोजित नहीं की जायें।
2. उपर्युक्त निर्धारित शैक्षणिक सत्र सारणी में महाविद्यालय स्तर पर किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जाये।
3. समस्त प्रायोगिक परीक्षाएं दिनांक 28.2.15 से पूर्व अथवा विश्वविद्यालय समय सारणी के अनुसार आयोजित कर ली जाएं। प्रायोगिक परीक्षाओं के दौरान कक्षाएं यथावत चलेंगी।
4. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमानुसार 180 शैक्षणिक दिवस होने आवश्यक हैं।

नोट:-

1. कृषि संकाय के लिए महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा अनुमोदित शैक्षणिक सत्र लागू होगा तथा सेमेस्टर योजना के अतिरिक्त वार्षिक परीक्षा योजना के लिए निदेशालय द्वारा जारी शैक्षणिक सत्र सारणी ही लागू रहेगी।
2. यदि कोई राजकीय/निजी महाविद्यालय उपरोक्त शैक्षणिक सत्र सारणी के कार्यक्रमों की समयबद्धता को अपने स्तर पर संशोधित कर गतिविधि आयोजित करता है तो निदेशालय उसके विरुद्ध कार्यवाही के लिये स्वतंत्र होगा।

सांस्कृतिक गतिविधियों का कलेण्डर सत्र 2014-15

क्र.सं.	प्रतियोगिता का नाम	महाविद्यालय स्तर पर (अक्टूबर/ नवम्बर माह में आयोजन)	राज्य स्तर पर (दिसम्बर माह में आयोजन)
1.	एकल गीत (क) शास्त्रीय (ख) सुगम	समस्त राजकीय महाविद्यालयों में बिन्दु संख्या 1 से 5 तक की गतिविधियां अक्टूबर/नवम्बर माह में आयोजित कर राज्य स्तर के लिए प्रथम स्थान प्राप्त प्रतियोगी को चयनित किया जाये ।	1,2 एकल एवं समूह गीत प्रतियोगिता राजकीय महाविद्यालय, कोटा में आयोजन
2.	समूह गीत		3. वाद्य संगीत प्रतियोगिता राजकीय महाविद्यालय भीलवाड़ा में आयोजन
3.	वाद्य संगीत		
4.	एकल नृत्य (क) शास्त्रीय (ख) लोक नृत्य		4. एकल नृत्य प्रतियोगिता राजकीय महाविद्यालय, जोधपुर में आयोजन
5.	समूह नृत्य		5. समूह नृत्य प्रतियोगिता राजकीय. महाविद्यालय, बीकानेर में आयोजन

नोट:- आयोज्य संस्था द्वारा उपर्युक्त प्रतियोगिता के संबंध में राजकीय महाविद्यालयों को भागीदारी हेतु आमंत्रित किया जायेगा। टीम प्रतिस्पर्द्धा में प्रतिभागियों की न्यूनतम संख्या 03 एवं अधिकतम 05 होगी तथा इस संख्या से कम प्रतिभाग्य होने पर उस महाविद्यालय की भागीदारी स्वतः ही समाप्त मानी जायेगी।

नियम:-

1. आयोजन संस्था 200/- रुपये प्रति प्रतियोगिता रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में लेगी।
2. यात्रा व्यय एवं अन्य व्यय छात्रकोष से किये जायेंगे।
3. अतिरिक्त वित्तीय सहायता एम.एल.ए./एम.पी./स्थानीय प्रतिनिधि से ली जा सकती है।
4. इन गतिविधियों को संचालित करने में जिन मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता है उनके व्यय की पूर्ति महाविद्यालय में विकास समिति कोष में प्रस्ताव पारित कर उनकी पूर्वानुमति पश्चात् की जा सकेगी।

साहित्यिक गतिविधियों का कलेण्डर सत्र 2014-2015

जिला स्तरीय अन्तर महाविद्यालय वाद-विवाद, क्विज एवं काव्य पाठ (स्वरचित) प्रतियोगिता जिला मुख्यालय पर स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालयों में अक्टूबर माह में निम्न प्रकार से आयोजित की जावेगी:-				राज्य स्तर प्रतियोगिता (नवम्बर/दिसम्बर) में आयोजित होगी।
जोन	जिले जिनके राजकीय महाविद्यालय भाग लेंगे	भाग लेने वाले महाविद्यालयों की संख्या	स्नातकोत्तर महाविद्यालय जिनमें गतिविधियां आयोजित होंगी	वाद विवाद एवं क्विज प्रतियोगिता राजकीय महाविद्यालय कालाडेरा में आयोजित होगी। काव्य पाठ (स्वरचित) राजकीय कन्या महाविद्यालय, अजमेर में आयोजित होगी।
अजमेर	अजमेर, भीलवाडा, नागौर	17	राजकीय महाविद्यालय, अजमेर	
भरतपुर	भरतपुर, अलवर, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर	23	राजकीय महाविद्यालय, सवाईमाधोपुर	
बीकानेर	बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चुरू	16	राजकीय कन्या महाविद्यालय, बीकानेर	
कोटा	कोटा, टोंक, बारां झालावाड़, बूंदी	20	राजकीय कन्या महाविद्यालय, बूंदी	
जयपुर	जयपुर, दौसा, सीकर, झुन्झुन	19	राजकीय कन्या महाविद्यालय, चौमूं	
उदयपुर	उदयपुर, डूंगरपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़	21	राजकीय महाविद्यालय, चित्तौड़गढ़	
जोधपुर	जोधपुर, पाली, सिरोही, जालौर, बाड़मेर, जैसलमेर	23	राजकीय महाविद्यालय, पाली	

नियम:-

1. आयोजन संस्था 200/- रुपये प्रति प्रतियोगिता रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में लेगी।
2. यात्रा व्यय एवं अन्य व्यय छात्रकोष से किये जावें।
3. अतिरिक्त वित्तीय सहायता एम.एल.ए./एम.पी./स्थानीय प्रतिनिधि से ली जा सकती है।
4. इन गतिविधियों को संचालित करने में जिन मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता है उनके व्यय की पूर्ति महाविद्यालय में विकास समिति कोष में प्रस्ताव पारित कर उनकी पूर्वानुमति पश्चात् की जा सकेगी।
5. जिला स्तर पर आयोजित साहित्यिक प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी ही राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगा।
6. किसी भी ग्रुप प्रतियोगिता में 03 से कम एवं 05 से अधिक प्रतिभागी नहीं होंगे। एकल एवं ग्रुप प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थानों हेतु न्यूनतम चार टीमों का होना आवश्यक।
7. महाविद्यालय प्रत्येक गतिविधि में भाग लेने को बाध्य नहीं है।

निदेशालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर

मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति कैलेण्डर

क्र. सं.	नाम छात्रवृत्ति	नूतन/ नवीनीकरण छात्रवृत्ति आवेदन पत्र छात्रों द्वारा पहुंचाने की अन्तिम तिथि	आवेदन पत्रों की जांच एवं जांच उपरान्त स्वीकृति जारी करने की अन्तिम तिथि	बिल आहरित कर डी.डी. बनवाकर भिजवाने की तिथि	संस्थाओं द्वारा छात्रवृत्ति वितरण करने की तिथि
1.	स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों/आश्रितों को देय छात्रवृत्ति	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर
2.	मृतक राज्य कर्मचारियों के आश्रितों को देय छात्रवृत्ति	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर
3.	शोध छात्रवृत्ति	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर
4.	मिलिट्री कालेज देहरादून छात्रवृत्ति	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर
5.	कारगिल कार्यवाही में शहीद सैनिकों के आश्रितों को देय छात्रवृत्ति	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर
6.	ललितकला छात्रवृत्ति (संगीत)	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर
7.	ललितकला छात्रवृत्ति (कला)	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर
8.	भूतपूर्व सैनिकों की पुत्रियों को देय छात्रवृत्ति	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर
9.	उर्दू छात्रवृत्ति	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर
10.	इण्डो पाक छात्रवृत्ति	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर
11.	आवश्यकता एवं योग्यता छात्रवृत्ति	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर

12.	महिला योग्यता छात्रवृत्ति	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर
13.	राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर
14.	अध्यापकों के बच्चों को देय छात्रवृत्ति	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर
15.	मैरिन इंजिनियरिंग छात्रवृत्ति	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर
16.	देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना	16 अगस्त	31 अगस्त	30 नवम्बर	31 दिसम्बर
17.	अनुसूचित छात्रवृत्ति	समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित तिथि	समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित तिथि	समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित तिथि	समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित तिथि
18.	अनुसूचित जन जाति छात्रवृत्ति	समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित तिथि	समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित तिथि	समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित तिथि	समाज कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित तिथि

कार्य दिवस सत्र सारणी 2014-15

उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान

माह	रविवार	अन्य अवकाश	कार्य दिवस	विशेष विवरण
जुलाई, 14	4	1	26	
अगस्त, 14	5	2	24	
सितम्बर, 14	4	2	24	
अक्टूबर, 14	4	12	15	दशहरा अवकाश 2.10.14 से 4.10.14 दीपावली अवकाश 18.10.14 से 27.10.14
नवम्बर, 14	5	2	23	
दिसम्बर, 14	4	2	21	शीतकालीन अवकाश 25.12.14 से 31.12.14
जनवरी, 15	4	2	25	
फरवरी, 15	4	1	23	
मार्च, 15	—	—	—	वि.वि. परीक्षाएं
कुल शिक्षण दिवस			181	

1. प्रवेश प्रक्रिया 30 जून 2014, सोमवार तक पूर्ण की जानी है।
2. शिक्षण कार्य प्रारम्भ मंगलवार 1 जुलाई, 2014
3. अन्तिम शिक्षण दिवस शनिवार 28 फरवरी, 2015
4. सत्र का अन्तिम कार्य दिवस गुरुवार 30 अप्रैल, 2015
5. परीक्षा अवधि मार्च-अप्रैल, 2015
6. ग्रीष्मावकाश 1 मई 2015 से 30 जून 2015

तृतीय भाग

एन.सी.सी./एन.एस.एस./रोवर रेंजर/वाई.डी.सी./महिला प्रकोष्ठ/मानव अधिकार प्रकोष्ठ जैसी गतिविधियों में विद्यार्थियों को प्रवेश हेतु नियम एवं कलैण्डर

- प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों से प्रवेश आवेदन पत्र में स्पष्टतः यह अंकित कराना होगा कि सत्र के दौरान उपरोक्त गतिविधियों में से किन-किन गतिविधियों में भाग लेना चाहते हैं।
- प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होते ही महाविद्यालयों में उपरोक्त गतिविधियों को संचालित करने वाली समितियों/व्याख्याताओं/अन्य कोई एजेन्सी द्वारा परामर्श (Counselling) के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाकर वर्षभर संचालित होने वाली गतिविधियों में शामिल किया जावे।
- गतिविधिवार विद्यार्थियों की सूची निदेशालय में संबंधित समन्वयक को 5 अगस्त तक उपलब्ध करायी जावे।
- छात्र एक से अधिक गतिविधि में भाग लेने के लिए स्वतंत्र होंगे।
- परामर्श के समय संबंधित महाविद्यालय यह सुनिश्चित करें कि इन गतिविधियों के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही विद्यार्थी को विकल्प उपलब्ध करवाये जावे।
- प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को कोई न कोई गतिविधि आवंटित करना अनिवार्य होगा।
- द्वितीय/तृतीय वर्ष, स्नातक एवं स्नातकोत्तर वर्षों में अध्ययनरत विद्यार्थी यथासंभव उपरोक्त गतिविधियों में भाग लेंगे। जो विद्यार्थी पूर्व में ही इन गतिविधियों से जुड़े हुये हैं, उनकी निरन्तरता सुनिश्चित की जावेगी। इस संबंध में निदेशालय से समय-समय पर जारी होने वाले परिपत्रों को निदेशालय की वेबसाइट www.dce.rajasthan.gov.in पर जारी किया जावेगा, उनकी अनुपालना सुनिश्चित की जावेगी।

गतिविधि का नाम	कार्यक्रम सारणी
1. एन.सी.सी.	एन.सी.सी. मुख्यालय द्वारा जारी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार
2. एन.एस.एस.	एन.एस.एस. मुख्यालय द्वारा जारी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार
3. रोवर-रेंजर	स्काउट एवं गाईड मुख्यालय द्वारा जारी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार
4. वाई.डी.सी./महिला प्रकोष्ठ/मानव अधिकार प्रकोष्ठ आदि गतिविधियां	निदेशालय द्वारा जारी दिशा निर्देशानुसार